इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4622

17 मई, 2012 को उत्तर के लिए

इस्पात का आयात

4622. श्री कनवर दीप सिंह:
श्री एन.के. सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारत पिछले कुछ वर्षों से इस्पात का निवल आयातक ('नेट इम्पोर्टर') बन गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले तीन वर्षों एवं वर्तमान वर्ष के दौरान कितना इस्पात आयात किया गया; और

(घ) सरकार द्वारा देश में इस्पात का स्वदेशी उत्पादन बढ़ाने हेतु कौन-से कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री बेनी प्रसाद वर्मा)**

(क): जी, हां। भारत वर्ष 2007-08 से कुल फिनिश्ड इस्पात का निवल आयातक है।

(ख) और (ग): गत तीन वर्षों और अप्रैल, 2012 के लिए कुल फिनिश्ड इस्पात के आयात, निर्यात और निवल आयात के आंकड़े नीचे तालिका में दर्शाए गए है:

वर्ष	कुल फिनिश्ड इस्पात (मिलियन टन अथवा मीटर)		
	(क) आयात	(ख) निर्यात	निवल आयात (क-ख)
2009-10	7.382	3.251	4.131
2010-11	6.664	3.637	3.027
2011-12*	6.826	4.041	2.785
अप्रैल, 2012*	0.545	0.312	0.233
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); *अनंतिम:			

(घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। नियंत्रणमुक्त खुली बाजार अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका एक सुविधादाता के रूप में होती है और वह इस हैसियत से उपयुक्त नीतिगत उपायों के जरिए इस्पात उद्योग के विकास को प्रोत्साहित करती है। घरेलू इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति तैयार की है तथा अवसंरचना, कच्चे माल की आपूर्ति, पर्यावरणीय स्वीकृति और अन्य संसाधनगत समस्याओं के संबंध में देश में बड़े इस्पात निवेशों से जुड़े मामलों को मॉनीटर और समन्वय करने के लिए एक अंतरमंत्रालयीन समूह (आईएमजी) का गठन किया है।

****